दैनिक भारत कि
तामीर
संपादक - काझी मकदूम शफीउद्दीन hinditameer@gmail.com
Editor in chief- Qazi makhdoom shafiuddin

बीड (महाराष्ट्र) | वर्ष-२ ला | अंक-२२ वा | शुक्रवार १९ सितम्बर २०२५ | RNI TITLE CODE:MAHHIN11405/120/1/3/2024 | किमत : २ रूपये | पन्ने - ४

हैदराबाद गजट के खिलाफ जनहित याचिका हाईकोर्टने खारिज की

जमीर काजी, मुंबई

महाराष्ट्र के सामाजिक और राजनीतिक क्षेत्र में पिछले पखवाड़े से विवाद का विषय बने हैदराबाद गजट के कार्यान्वयन से संबंधित सरकारी आदेश (जीआर) को लेकर गुरुवार को कुछ राहत देने वाली घटना घटी। इस जीआर के खिलाफ दायर जनहित याचिका को बॉम्बे हाई कोर्ट ने खारिज कर दिया। कोर्ट ने इसे रिट याचिका के रूप में सक्षम अदालत में पेश करने की अनुमति दी है। इसके अलावा, तीन अन्य याचिकाएं भी हाई कोर्ट में दायर की गई हैं।

मराठा संघर्ष योद्धा मनोज जरांगे पाटिल के नेतृत्व में मुंबई में बड़ा आंदोलन हुआ था। इस दौरान मराठा समुदाय को कुणबी प्रमाणपत्र देने के लिए हैदराबाद गजट को लागू करने का सरकारी आदेश २ सितंबर को जारी किया गया था, जिसके बाद आंदोलन वापस ले लिया गया। हालांकि, ओबीसी संगठनों और नेताओं ने इसका तीव्र विरोध किया है। यहां तक कि मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के नेतृत्व वाले मंत्रिमंडल के वरिष्ठ मंत्री छगन भुजबळ ने भी इसका खुलकर विरोध किया है।

उन्होंने कोर्ट के साथ-साथ सड़कों पर भी संघर्ष करने की तैयारी शुरू कर दी है।

इस जीआर के खिलाफ अधिवक्ता विनीत धोत्रे द्वारा दायर जनहित याचिका पर गुरुवार को सुनवाई हुई। खंडपीठ ने यह टिप्पणी की कि यह याचिका जनहित याचिका के दायरे में नहीं आती और इसे सुनने की आवश्यकता नहीं है। इसके साथ ही, याचिका को खारिज कर दिया गया। कोर्ट ने याचिकाकर्ता को रिट याचिका के रूप में सक्षम अदालत में अपील करने की अनुमति दी है। कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि इस सरकारी निर्णय से अनुसूचित जाति (शेड्यूल्ड कास्ट) का कोई भी व्यक्ति प्रभावित नहीं हुआ है।

इधर, याचिकाकर्ता अब बॉम्बे हाई कोर्ट के फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती देने की तैयारी कर रहे हैं। याचिकाकर्ता धोत्रे का दृढ़ मत है कि २ सितंबर के सरकारी निर्णय के खिलाफ दायर याचिका वास्तव में जनहित याचिका ही है।

पंकजाताई मुंडे का परली, अंबाजोगाई में हाउसफुल जनता दरबार

अनुशासित नियोजन से जनता की समस्याओं का त्वरित समाधान

परली वैजनाथ। दिनांक १८। राज्य की पर्यावरण, जलवायु परिवर्तन और पशुपालन मंत्री पंकजाताई मुंडे का आज परली और अंबाजोगाई में हाउसफुल जनता दरबार आयोजित हुआ। उनसे मिलकर अपनी समस्याएँ रखने के लिए आम नागरिकों की भारी भीड़ उमड़ी थी। पंकजाताई ने प्रत्येक व्यक्ति से व्यक्तिगत रूप से मुलाकात कर उनकी शिकायतें सुनीं और उनकी समस्याओं का मौके पर ही समाधान किया।

पंकजाताई मुंडे रात को बीड में एक कार्यक्रम समाप्त कर देर से शहर में पहुँचीं। आज सुबह सरकारी विश्रामगृह में उन्होंने जनता दरबार आयोजित किया। इस दौरान तहसीलदार व्यंकटेश मुंडे, नगरपालिका के मुख्य अधिकारी कांबले और अन्य अधिकारी मौजूद थे।

आज का दिन परली विधानसभा क्षेत्र के आगंतुकों के लिए आरक्षित था, जिसके कारण उनसे मिलने के लिए क्षेत्र के नागरिकों और कार्यकर्ताओं की भारी भीड़ थी। प्रत्येक व्यक्ति से मिलकर, उनकी शिकायतें सुनकर, चाहे वह पत्र, फोन या व्यक्तिगत कार्य हो, उन्होंने मौके पर ही उनका समाधान किया।

यह भीड़ लोकनेता गोपीनाथरावजी मुंडे साहब की पुण्याई और विरासत को जिम्मेदारी के साथ आगे बढ़ाने की प्रेरणा देने वाली थी। उन्होंने कहा कि सत्ता में मंत्री पद का उपयोग समाज के निचले तबके तक पहुँचाने का मैं ईमानदारी से प्रयास करूँगी। इस बीच, परली का जनता दरबार समाप्त कर वे अंबाजोगाई में बीजेपी के जिला महासचिव गणेश कराड के निवास पर पहुँचीं, जहाँ उन्होंने केज विधानसभा क्षेत्र के आम लोगों की शिकायतें सुनीं और उनकी समस्याओं का भी मौके पर समाधान किया।

हर बार कार्यों के लिए आने वाली भारी भीड़ को ध्यान में रखते हुए, पंकजाताई ने इस दौरे में मुलाकातों का अनुशासित नियोजन किया था। भीड़ के कारण नियोजन बिगड़ने के पिछले अनुभव को देखते हुए, यह सुनिश्चित किया गया कि प्रत्येक व्यक्ति का काम पूरा हो और उनकी समस्याएँ सुनी जाएँ। इसके लिए जिले के सभी छह विधानसभा क्षेत्रों के लिए दिन और समय निर्धारित किया गया। सुबह परली विधानसभा के लिए और दोपहर में अंबाजोगाई में केज विधानसभा के लिए जनता दरबार आयोजित हुआ। अत्यंत अनुशासित तरीके से, बिना किसी हड़बड़ी या गड़बड़ी के, हर आम व्यक्ति अपनी समस्याएँ उनके सामने रखकर उनका समाधान करवा सका। इस नियोजन के कारण आगंतुकों के चेहरों पर संतुष्टि दिखाई दी।

गेवराई में शुरू की गई डायलिसिस सुविधा का जरूरतमंद मरीज लाभ उठाएं-विधायक विजयसिंह पंडित

काझी अमान/गेवराई

किडनी रोग से पीड़ित मरीजों के लिए डायलिसिस सुविधा अत्यंत महत्वपूर्ण है। डायलिसिस के लिए होने वाला हजारों रुपये का खर्च अब बचेगा, क्योंकि महायुति सरकार ने तालुका स्तर पर ऐसी चिकित्सा सुविधाएं मुफ्त उपलब्ध कराई हैं। गेवराई के सरकारी उपजिला अस्पताल में ८ डायलिसिस मशीनें आज से कार्यरत हो रही हैं और महाडायलिसिस सेंटर शुरू होने से गरीब किडनी मरीजों को इसका लाभ मिलेगा। इसलिए, जरूरतमंद मरीजों को इस डायलिसिस सुविधा का लाभ उठाने की अपील विधायक विजयसिंह पंडित ने की। वे गेवराई उपजिला अस्पताल में महाडायलिसिस सेंटर के उद्घाटन समारोह में बोल रहे थे। इस अवसर पर जिला शल्य चिकित्सक डॉ. संजय राउत, चिकित्सा अधीक्षक डॉ. सूरज कोठावळे, पूर्व नगराध्यक्ष महेश दाभाडे, पूर्व नगरसेवक शांतिलाल पिसाल, राधेश्याम येवले, राष्ट्रवादी के शहर अध्यक्ष दीपक आतकरे सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति मंच पर उपस्थित थे।

सार्वजनिक स्वास्थ्य विभाग, एचएलएल लाइफ केयर लिमिटेड और उपजिला अस्पताल,

गेवराई के माध्यम से किडनी रोग मरीजों के लिए मुफ्त डायलिसिस उपचार के लिए आठ डायलिसिस मशीनों के साथ महाडायलिसिस सेंटर गेवराई उपजिला अस्पताल में शुरू किया गया है। गुरुवार, १८ सितंबर को गेवराई विधानसभा क्षेत्र के विधायक विजयसिंह पंडित के हाथों महाडायलिसिस सेंटर का उद्घाटन किया गया। इस अवसर पर मंच पर जिला शल्य चिकित्सक डॉ. संजय राउत, चिकित्सा अधीक्षक डॉ. सूरज कोठावळे, पूर्व नगराध्यक्ष महेश दाभाडे, विनोद सौंदरमल, पूर्व उपनगराध्यक्ष शेख खाजाभाई, पूर्व नगरसेवक शांतिलाल पिसाल, राधेश्याम येवले, राष्ट्रवादी के शहर अध्यक्ष दीपक आतकरे, डॉक्टर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष डॉ. अशोक काले, बंटी सौंदरमल, दत्ता दाभाडे, जे.के. बाबूभाई, संदीप मडके, जिजा पंडित, विलास निकम, एडवोकेट मनोज हजारे, शेख सुभान, संतोष सुतार, सतीश प्रधान सहित गेवराई शहर के अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे। किडनी रोग के मरीजों के लिए डायलिसिस उपचार अत्यंत महत्वपूर्ण और जीवन रक्षक हैं। डायलिसिस उपचार महंगे होने के कारण कई बार गरीब मरीजों के लिए वहन करना संभव नहीं होता। महायुति सरकार ने महाडायलिसिस सेंटर के माध्यम से आम लोगों के लिए यह उपचार मुफ्त उपलब्ध कराया है। किडनी रोग मरीजों की संख्या दिन-ब-दिन बढ़ रही है। उद्घाटन समारोह में दो मरीज डायलिसिस के लिए आए थे, जिससे इस रोग की गंभीरता का अंदाजा लगता है। ग्रामीण क्षेत्र के आम मरीजों को इस सेवा का लाभ उठाने की अपील विधायक विजयसिंह पंडित ने की। विधायक पंडित ने उपजिला अस्पताल की स्वास्थ्य सेवाओं का जायजा लिया और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। गेवराई डॉक्टर्स एसोसिएशन की ओर से अध्यक्ष डॉ. अशोक काले और उनके सहयोगियों ने गेवराई शहर में महाडायलिसिस सेंटर शुरू कर गरीब मरीजों के लिए डायलिसिस सुविधा उपलब्ध कराने के लिए विधायक विजयसिंह पंडित का इस समारोह में सम्मान कर आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर डॉ. मुहम्मद नोमानी, डॉ. राजेश शिंदे, डॉ. गोपाल रांदड, डॉ. राजेंद्र आंधळे, डॉ. सय्यद मुख्तार, डॉ. शेख सिराज, प्रसिद्ध तिरुपति हॉस्पिटल के संचालक डॉ. गोविंद लेंडगुळे, मंगेश खरात सहित उपजिला अस्पताल के चिकित्सा अधिकारी, नर्सिंग स्टाफ और अन्य कर्मचारी उपस्थित थे। उपजिला अस्पताल के चिकित्सा अधीक्षक डॉ. सूरज कोठावळे ने सभी का आभार व्यक्त किया।

राहुल गांधी के आरोप से महाराष्ट्र की राजनीति गरमाई

कांग्रेस ने मांगा देवेंद्र फडणवीस का इस्तीफ़ा, भाजपा और महायुती का पलटवार

मुंबई (प्रतिनिधि) - लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने गुरुवार को पत्रकार परिषद में मत चोरी को लेकर नया बम फोड़ा। इसका असर महाराष्ट्र की राजनीति पर भी दिखाई दे रहा है। राहुल गांधी ने विधानसभा चुनाव में धांधली का बार-बार उल्लेख करते हुए चंद्रपुर जिले के राजुरा विधानसभा क्षेत्र में ६,८५० वोट चोरी का आरोप लगाया।

कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष हर्षवर्धन सपकाळ ने कहा -

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस कहते हैं कि मत चोरी नहीं हुई, लेकिन उनके ही पुलिस ने इस मामले में एफआईआर दर्ज की है। जब चोरी साबित है तो मुख्यमंत्री को तुरंत इस्तीफ़ा देना चाहिए। उन्होंने आगे आरोप लगाया कि चुनाव आयोग पक्षपात कर रहा है और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेशकुमार स्पष्ट जवाब देने के बजाय भाजपा की तरह बोल रहे हैं।

राहुल गांधी के सबूतों का कोई महत्व नहीं - अमित साटम

भाजपा विधायक अमित साटम ने कहा -

राहुल गांधी ने जो झझढ में सबूत दिखाए उनका कोई मतलब नहीं है। अगर उनके पास पुख्ता सबूत हैं, तो कोर्ट में क्यों नहीं जाते? झूठे नैरेटिव फैलाने से बेहतर है कि वे संवैधानिक कामों पर ध्यान दें। पर लगता है उन्हें खुद गड्ढे में जाना है और पार्टी को भी वहीं ले जाना है।

राहुल गांधी ही 'मत चोरी के बादशाह' - केशव उपाध्ये

भाजपा प्रवक्ता केशव उपाध्ये ने पलटवार करते हुए कहा -

पृथ्वीराज चव्हाण के कराड क्षेत्र में उनके रिश्तेदारों के एक ही घर में कई नाम मतदाता सूची में दर्ज पाए गए। यही पृथ्वीराज चव्हाण कांग्रेस की मतदाता सूची की देखरेख करते हैं। यह हास्यास्पद है। कांग्रेस प्रवक्ता पवन खेरा और उनकी पत्नी के भी दो-दो वोटर आईडी अलग-अलग क्षेत्रों में मिले थे। इसलिए कांग्रेस का यह हंगामा झूठा है।

सबूत दो, कोर्ट जाओ - एकनाथ शिंदे

उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने कहा -

अगर राहुल गांधी के पास सबूत हैं कि लोकसभा और विधानसभा चुनाव में हार वोट चोरी से हुई, तो कोर्ट जाएं। बिना हलफनामे के आरोप लगाने से कुछ नहीं होगा। कांग्रेस जहां जीती, वहां क्या वोट चोरी नहीं हुई?

मेरे क्षेत्र से जांच शुरू करें - सुप्रिया सुळे

राष्ट्रवादी कांग्रेस (शरद पवार गुट) की कार्याध्यक्ष सांसद सुप्रिया सुळे ने कहा -

राहुल गांधी के आरोप बेहद गंभीर हैं। चुनाव आयोग को जांच मेरे बारामती लोकसभा क्षेत्र से शुरू करनी चाहिए। भले ही मैं और अमोल कोल्हे जीत चुके हैं, लेकिन हमारे क्षेत्र में भी जांच हो। आंकड़े कभी झूठ नहीं बोलते।

भारी वर्षा से प्रभावित किसानों को मिलेगा मुआवज़ा

विधायक सुरेश धस का आश्वासन

बीड़, प्रतिनिधि : आष्टी विधानसभा क्षेत्र में १४, १५ और १६ सितंबर को हुई भारी वर्षा से किसानों की फसलों और बाग-बगीचों को भारी नुकसान पहुँचा है। इस संदर्भ में आष्टी के विधायक सुरेश धस ने किसानों को आश्वासन दिया है कि प्रत्येक पात्र किसान को सरकार की ओर से उचित मुआवज़ा अवश्य मिलेगा और पंचनामा कार्य तेज़ी से चल रहा है।

विधायक धस ने बताया कि शिरूर (कासर) तालुका के छह मंडलों में से चार मंडल आष्टी विधानसभा क्षेत्र में आते हैं। इनमें शिरूर (कासर) मंडल में १४ सितंबर को ९१ मि.मी., १५ सितंबर को १०४.३ मि.मी. तथा १६ सितंबर को १०८ मि.मी. वर्षा दर्ज की गई। इसी तरह तिंतरवानी मंडल में १०९ मि.मी., ब्राह्मणाथ येळंब मंडल में ९०.३ मि.मी. और गोमलवाडा क्षेत्र में भी भारी बारिश हुई है। इस कारण इन चारों मंडलों के सभी किसान मुआवज़े के पात्र हैं।

उन्होंने कहा कि बेलपारा, सिंदफणा, कापरी और कीना नदियों में आई बाढ़ से हुए नुकसान का पंचनामा शुरू हो चुका है। किसानों को शिकायत करने की आवश्यकता नहीं है, सभी पात्र किसानों को सरकार मदद देगी।

पटोदा तालुका के पाटोदा, दसखेड, थेर्ला, अमलनेर और कुशलंब-इन पाँच मंडलों में भी १४ से १६ सितंबर के बीच ६५ मि.मी. से अधिक वर्षा दर्ज हुई है। यहाँ के सभी किसान भी सहायता के पात्र होंगे।

आष्टी तालुका के आष्टी, हरिनारायण तथा अन्य मंडलों-दौलवडगाव, दादेगाव, धानोरा, कडा, धामनगाव, दोईथन और टाकलसिंह-में भी औसत से अधिक वर्षा दर्ज की गई। खेतों की धूपस, विहिरीं की पडझड, घरों में पानी घुसना, फसलों और फल बागानों का नुकसान-इन सबका पंचनामा कार्य जारी है।

विधायक धस ने कहा कि नुकसान बड़े पैमाने पर हुआ है, इसलिए पंचनामा पूरा करने में पाँच से सात दिन का समय लग सकता है। लेकिन प्रत्येक प्रभावित किसान को सरकार की ओर से मदद ज़रूर मिलेगी। किसानों को घबराने की ज़रूरत नहीं है.

बेलेवाड़ी में महिला पर तलवार से हमला

पाटोदा। प्रतिनिधी

तालुका के बेलेवाड़ी गांव में मामूली विवाद के चलते एक युवक ने गांव की महिला पर तलवार से हमला कर उसे घायल कर दिया। यह घटना १७ सितम्बर की शाम करीब सात बजे घटी।

पीड़िता सिताबाई हिरामण गिरी (उम्र ४५) ने पुलिस को दी जानकारी में बताया कि कुछ दिन पहले उनके बेटे राहुल गिरी का प्रकाश पावसे से विवाद हुआ था। उस समय सिताबाई ने प्रकाश को चेतावनी दी थी कि उनके बेटे को गलत आदतों में न डालें। इसी रंजिश में १७ सितम्बर की शाम प्रकाश पावसे, गिरी परिवार के घर के सामने आया। उसने गाली-गलौज करते हुए तलवार दिखाकर धमकाया। जब सिताबाई ने उसे समझाने की कोशिश की, तो उसने उल्टा उन पर तलवार से वार कर दिया, जिससे उनके हाथ की हथेली पर चोट आई।

घटना के समय सिताबाई का बेटा राहुल, बहू रोहिणी और गांव के कुछ युवक बीच-बचाव के लिए आगे आए और विवाद को शांत किया। इसके बाद प्रकाश पावसे मौके से फरार हो गया।

घायल सिताबाई गिरी अपने परिवार के साथ पाटोदा पुलिस थाने पहुंचीं। उनकी शिकायत पर पुलिस ने प्रकाश नागनाथ पावसे (निवासी बेलेवाड़ी, तालुका पाटोदा) के खिलाफ मामला दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी है।

उर्दू दैनिक तामीर के २५ वे साल में क़दम रखने पर एक और पेशकश

मुख्यमंत्री फडणवीस के रेल्वे उपहार पर बीड़करों में संतोष और असंतोष दोनों-गोरे वस्ती के लोगों का सवाल

फसलों व घरों का भारी नुकसान

अशोक ढोले पाटील,

बीड़ : मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस साहेब ने हाल ही में बीड़करों का वर्षों पुराना सपना रेल्वे के माध्यम से पूरा किया है। इस उपलब्धि से एक ओर बीड़ ज़िले और शहर के नागरिकों में संतोष का माहौल है, वहीं दूसरी ओर बीड़ शहर के बार्शी नाका क्षेत्र के गोरे वस्ती के लोगों में गहरा असंतोष भी पैदा हुआ है।

बार्शी रोड स्थित गोरे वस्ती इलाके में बने रेल्वे स्टेशन के पुल का पानी आसपास के घरों में घुस गया। इस कारण वहाँ के शेतकऱ्यांच्या मुक्या जनावरांच्या खाली पानी साच गया, साथ ही किसानों की फसलों और घरों को भी बड़ा नुकसान उठाना पड़ा। गोरे वस्ती के लोगों का कहना है कि रेल्वे निर्माण में सर्वे गलत तरीके से किया गया और पुल व नालियों का नियोजन दोषपूर्ण रहा। यदि नालियां सही ढंग से बनाई जातीं तो घरों में पानी घुसने की नौबत नहीं आती।

निवासी अनंत गोरे, शिवाजी गोरे, बबन गोरे, मदन गोरे, भागवत गोरे, राघु गोरे, जगन गोरे, अक्षय गोरे, मारूती गोरे, मनोज गोरे, लहु गोरे, अंकुश गोरे, अशोक काळे, अशोक चव्हाण, दत्ता जगताप, राहुल काळे, कैलास शिगण, डिगांबर गोरे व अन्य परिवार इस आपत्ती से प्रभावित हुए हैं।

समाजसेवक अशोक ढोले पाटील ने माध्यमों के जरिए मुख्यमंत्री से अपील की है कि प्रभावित नागरिकों को हुए आर्थिक नुकसान की भरपाई तात्काल रेल्वे प्रशासन और संबंधित कॉन्ट्रॅक्टदार से करवाने के आदेश जारी किए जाएं। उन्होंने चेतावनी दी है कि यदि दो-चार दिनों में रेल्वे प्रशासन इस गंभीर विषय की दखल नहीं लेता, तो गोरे वस्ती के नागरिकों के साथ मिलकर लोकतांत्रिक पद्धति से रेल्वे स्टेशन पर बड़ा आंदोलन शुरू किया जाएगा।

मुंबई में मौलाना आज़ाद अल्पसंख्यक आर्थिक विकास महामंडल के अध्यक्ष मुश्ताक अंतुले का सत्कार

औरंगाबाद: मुंबई में मौलाना आज़ाद अल्पसंख्यक आर्थिक विकास महामंडल के अध्यक्ष माननीय मुश्ताक अंतुले साहब का सत्कार समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में सामाजिक कार्यकर्ता और गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

सत्कार समारोह में उम्मीद फाउंडेशन मुंब्रा के अध्यक्ष परवेज़ फ़रीद, संचालक हमीद पटेल, महाराष्ट्र राज्य कौशल विकास परिषद के सचिव साजिद पटेल तथा कांग्रेस माथाडी मजदूर मराठवाड़ा के प्रदेश महासचिव सय्यद अशफाक अली भी उपस्थित थे।

अपने संबोधन में माननीय मुश्ताक अंतुले साहब ने कहा,

मौलाना आज़ाद आर्थिक विकास महामंडल अल्पसंख्यक समाज की प्रगति के लिए लगातार कार्य कर रहा है। हम समाज के युवाओं को शिक्षा, रोजगार और आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध हैं। इस अवसर पर साजिद पटेल ने शैक्षणिक ऋण योजनाओं को और गति देने तथा विद्यार्थियों को सरल तरीके से ऋण उपलब्ध कराने का आह्वान किया।

समारोह में उपस्थित लोगों ने महामंडल द्वारा समाज की शैक्षणिक और आर्थिक उन्नति के लिए किए जा रहे कार्यों की सराहना की और मुश्ताक अंतुले साहब के योगदान को हृदय से सम्मानित किया।

डंडे खाए, कोर्ट ने भी जुर्माना किया रेल्वे कार्यक्रम का पास मिला फिर भी रेल में नहीं बैठूंगा-खुर्शीद आलम

बार्शी नाका रेलवे स्टेशन कृती समिति की लड़ाई और तेज होगी

बीड़ (प्रतिनिधि) - बीड़ को रेलवे चाहिए यह मांग कई वर्षों से उठती रही है। इस मांग के लिए जिले के अनेक नेता, स्वतंत्रता सेनानी, समाजसेवक, पत्रकार, वकील, डॉक्टर, शिक्षक और सर्वपक्षीय कार्यकर्ताओं ने आंदोलन किया। इनमें खास तौर से बीड़ रेलवे कृती समिति की लड़ाई सफल रही।

रेलवे आंदोलन में कई कार्यकर्ताओं को पुलिस की लाठियाँ खानी पड़ीं और वर्षों तक कोर्ट के चक्कर लगाने पड़े। कोर्ट ने भी आंदोलनकारियों पर सात-सात हजार रुपये का जुर्माना लगाया था। अब जब बीड़ में रेलवे शुरू हुई है तो आंदोलनकारियों ने इसे लेकर प्रसन्नता जताई है।

लेकिन बीड़ के बार्शी नाका इमामपुर रोड पर पहले से मंजूर रेलवे स्टेशन को हटाकर कुछ नेताओं ने अपने फायदे के लिए इसे पालवन में स्थानांतरित करा लिया। इस पर नाराजगी व्यक्त करते हुए बार्शी नाका रेलवे स्टेशन कृती समिति के कार्याध्यक्ष खुर्शीद आलम ने कहा -

मुख्यमंत्री के हाथों होने वाले कार्यक्रम के लिए मुझे भी पास मिला था, लेकिन मैंने बहिष्कार किया है। क्योंकि बीड़ का असली स्टेशन बार्शी नाका इमामपुर रोड, प्रकाश आंबेडकर नगर में मंजूर था। इसके बावजूद स्टेशन पालवन में, यानी बीड़ शहर से ७-८ किलोमीटर दूर बनाया गया है। इससे लोगों को भारी असुविधा हो रही है। पालवन स्टेशन से नगर तक जाने में ४० रुपये लगेंगे और बीड़ शहर से पालवन स्टेशन तक पहुंचने में १०० से १५० रुपये खर्च होंगे। यह आम जनता को महंगा पड़ रहा है।

आलम ने कहा कि बार्शी नाका स्टेशन से मोंढा, कृषि उत्पन्न बाजार समिति, एमआईडीसी, आठवडी बाजार, आढ़त मार्केट, बस स्टैंड, जिलाधिकारी कार्यालय, तहसील कार्यालय, समाज कल्याण कार्यालय, पोस्ट ऑफिस, जिला अस्पताल, एसपी ऑफिस, जिला न्यायालय, सरकारी दूध डेरी, महिला अस्पताल, बीड़ जिला खेल मैदान, ऐतिहासिक हिंदू-मुस्लिम धार्मिक स्थल और लगभग ९५% स्कूल-कॉलेज पास में आते हैं। इसलिए बार्शी नाका रेलवे स्टेशन ही लोगों के लिए सुविधाजनक और फायदेमंद है।

उन्होंने स्पष्ट किया -

जब तक बार्शी नाका इमामपुर रोड पर जनता की सहूलियत के लिए रेलवे स्टेशन (ठहराव) नहीं बनता, तब तक मैं बीड़ की रेल से यात्रा नहीं करूंगा। अब आगे बार्शी नाका रेलवे स्टेशन के लिए, समिति अध्यक्ष गम्मत भाऊ भंडारी साहब के नेतृत्व में और आम नागरिकों के सहयोग से, आंदोलन और तेज़ी से शुरू करेंगे।

हर्षवर्धन रोकड़े का एमबीबीएस मेडिकल कॉलेज में चयन

पालकमंत्री मेघना बोर्डीकर ने किया सम्मान

जिंतूर (एम एजाज जिंतूरकर) मा नगर सेवक गोपाल रोकड़े के चिरंजीव हर्षवर्धन रोकड़े ने निट २०२५ परिक्षा में मेरिट लिस्ट में कामयाबी हासिल की हैं! मेडिकल प्रवेश प्रक्रिया में पहले लिस्ट में चयन होने पर कृष्णा इन्स्टिटयुट ऑफ़ मेडिकल कॉलेज कराड में चयन होने पर रोकड़े परिवार का मित्र मंडल की ओर से अभिनंदन का वर्षाव हों रहा है! रोकड़े परिवार में हर्षवर्धन रोकड़े मेडिकल क्षेत्र एम बि बी एस पहले डॉक्टर होने का बहुमान प्राप्त किया है! परभणी जिल्हे की पालक मंत्री तथा जिंतूर सेलू मतदारसंघ की लोकप्रिय विधायीका सौ मेघना दीदी साकोरे बोर्डीकर ने,पुर्व विधायक रामप्रसाद बोर्डीकर,कृषी उत्पन्न बाजार समिती के सभापती मा गंगाधर बोर्डीकर,पुर्व जि प सदस्य राजेंद्र थिटे, शिवाजीराव कवरखे,प्रताप देशमुख, सचिन गोरे, डॉ दराडे, गोविंद थिटे, असा साहेब खेत्रे,ऑड सुनील मते ने अभिनंदन किया है!

जरूरतें कम रखो; स्वाभिमान से जियो-ना.पंकजाताई मुंडे

बीड़ जिला पत्रकार संघ की ओर से शैक्षणिक क्षेत्र के मान्यवरों का हुआ सम्मान

बीड (प्रतिनिधि) - संत भगवानबाबा ने संदेश दिया था - एक्कर बेचो लेकिन बच्चों को पढ़ाओ। आज के दौर में शिक्षा बेहद जरूरी है, लेकिन इस पीढ़ी के विद्यार्थियों को जरूरतें कम रखो और स्वाभिमान से जियो यह संदेश देना भी उतना ही आवश्यक है। हालात से समझौता करो, मगर सिद्धांतों से कभी समझौता मत करो। हमारे पास पैसे कम हैं इस पर दुखी होने के बजाय, हमारे पास संस्कार ज्यादा हैं इस पर गर्व करो - ऐसा मौलिक संदेश महाराष्ट्र की पर्यावरण एवं पशुसंवर्धन मंत्री ना. पंकजाताई मुंडे ने दिया।

उन्होंने कहा कि अगर शिक्षक विद्यार्थियों को पर्यावरण से जुड़ना सिखाएं तो उन्हें अनुशासन के लिए अलग से सिखाने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी। प्रत्येक आदर्श नागरिक को गढ़ने में विद्यालयीन जीवन के शिक्षकों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होती है।

बीड़ जिला पत्रकार संघ की ओर से शिक्षा क्षेत्र में योगदान देने वाले मान्यवरों के सत्कार समारोह में पंकजाताई मुंडे बोल रही थीं। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाराष्ट्र राज्य पत्रकार संघ के प्रदेशाध्यक्ष वसंत मुंडे ने की। वहीं महाराष्ट्र राज्य वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष ना. समीर काज़ी, भाजपा जिलाध्यक्ष शंकर देशमुख, भाजपा नेता संतोष हांगे, बीड़ जिला बैंक के पूर्व अध्यक्ष आदित्य सारडा, वरिष्ठ नेता नवनाथ शिराळे, अल्पसंख्यक आघाड़ी के नेता सलीम जहाँगीर, शहराध्यक्ष अशोक लोढ़ा, संपादक वैभव स्वामी और संपादक बालाजी तोंडे विशेष रूप से उपस्थित थे।

पत्रकार संघ की ओर से कला, खेल, संगीत, नाट्य, संस्कृत, वेद, मदरसा, वक्तृत्व, प्रशासन, बुद्धिबळ, कौशल विकास, योग प्रशिक्षण, अबेकस, आश्रमशाला, मतीमंद विद्यालय, सीबीएससी और अंग्रेज़ी स्कूल सहित आदर्श शिक्षण संस्था, आदर्श विद्यालय, आदर्श शिक्षक पतसंस्था और सामाजिक सहभागिता से विकसित स्कूल जैसी विभिन्न श्रेणियों के शैक्षणिक पुरस्कारों का वितरण पंकजाताई मुंडे के हाथों किया गया।

अपने संबोधन में पंकजाताई मुंडे ने कहा -

मेरा भी विद्यालयीन शिक्षा परली में हुआ। पहली कक्षा में जब मैं पढ़ रही थी तब विद्यार्थियों को फर्श पर बैठना पड़ता था। यह देखकर स्व. मुंडे साहेब ने तुरंत हमारी शाला के सभी कक्षाओं में बैठने के लिए आसन पट्टियों की व्यवस्था करवाई थी। जीवन में कितनी भी बड़ी पदवी क्यों न मिली हो, मैं अपने विद्यालयीन शिक्षकों को कभी नहीं भूल सकती, क्योंकि उन्होंने ही मेरी नींव मजबूत की।

उन्होंने आगे कहा कि घर में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के विचार होने के कारण माता-पिता ने संभव होते हुए भी अंग्रेज़ी स्कूल में नहीं भेजा और जिला परिषद की मराठी शाला में हम तीनों बहनों को प्रवेश दिलाया।

मेरे आजोबा, मामा, मावशी, काका सभी शिक्षक थे। इसलिए शिक्षा का महत्व हमें वंश परंपरा से ही समझ में आया। लेकिन आज समय बदल गया है। शिक्षा क्षेत्र में प्रतियोगिता पराकाष्ठा पर है। साधन-सुविधाओं को बेवजह महत्व दिया जा रहा है। ऐसे समय में 'सधन' और 'समृद्ध' होने का मूलभूत अंतर आज के पालकों और विद्यार्थियों ने समझना चाहिए।

उन्होंने कहा - आजकल हम देख रहे हैं कि माता-पिता महंगा मोबाइल नहीं खरीदकर देते तो बच्चे आत्महत्या जैसे कदम उठा रहे हैं। यह बेहद पीड़ादायक है। हमारे पास पैसा कम हो तो चलेगा, मगर संस्कारों की संपत्ति अधिक होनी चाहिए। सधन होने से ज्यादा महत्वपूर्ण है समृद्ध होना और उसका अभिमान करना। बच्चों को अगर वास्तव में अनुशासन सिखाना है तो उन्हें पर्यावरण के साथ समरस होना सिखाइए।

कार्यक्रम का संचालन बीड़ जिला पत्रकार संघ के उपाध्यक्ष प्रतीक कांबळे ने किया और प्रास्ताविक भाषण संयोजन समिति के अध्यक्ष नितीन क्षीरसागर ने किया।

मुख्य बिंदु

१७ सितंबर को बीड़ में रेलवे का लोकार्पण हुआ। यह श्रेय का विषय नहीं, बल्कि हमारे सपनों की पूर्ति है, ऐसा पंकजाताई ने कहा।

स्व. मुंडे साहेब की मांग पर स्व. विलासराव देशमुख ने इस रेल परियोजना के लिए ५०% खर्च राज्य सरकार वहन करने का निर्णय लिया था। लेकिन दोनों नेताओं के निधन के बाद प्रश्न उठा था कि अब बीड़ की रेलवे का क्या होगा? उस समय नरेंद्र मोदी ने बीड़ की सभा में वचन दिया था कि वे स्व. मुंडे साहेब का सपना पूरा करेंगे और रेलवे लाएंगे। यह वचन उन्होंने पूरा किया।

पंकजाताई ने बीड़ रेलवे का श्रेय मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को भी दिया।

उन्होंने कहा कि जहां स्त्री का अस्तित्व होता है, वहां प्रशासन अच्छे से चलता है।

ग्रामविकास मंत्री रहते हुए उन्होंने डेढ़ लाख शिक्षकों की बदली ऑनलाइन पद्धति से की थी। बीड़ के कार्यक्रम में ऐसे अनेक शिक्षक उपस्थित थे जो उनका आभार मान रहे थे। सरकार हमें वेतन और बंगला देती है, फिर भी बदली के लिए पैसे नहीं लेने चाहिए। इसलिए मैंने जब-जब मंत्री पद संभाला, पारदर्शी बदली की व्यवस्था की।

पंकजाताई ने कहा कि बीड़ जिले की बीच में अक्षम्य बदनामी हुई। वास्तव में हमारा जिला बहुत अच्छा है। भले विकास में विलंब हुआ हो, लेकिन अब सड़कों और रेलवे के माध्यम से बीड़ जिला समृद्ध हो रहा है।

उन्होंने आश्वासन दिया कि अगले वर्ष भी वे पत्रकार संघ के पुरस्कार वितरण समारोह में जरूर आएंगी।

दुनिया को जीतने का हौसला रखो
तूफ़ान में ताश का घर नहीं बनता,
रोने से बिगड़ा मुक़द्दर नहीं सुधरता।
दुनिया को जीतने का हौसला रखो,
एक हार से कोई फकीर और एक जीत से कोई सिकंदर नहीं बनता।

इस शायरी से अपने भाषण की शुरुआत करते हुए महाराष्ट्र राज्य पत्रकार संघ के प्रदेशाध्यक्ष वसंतराव मुंडे ने सभी पुरस्कारार्थियों का अभिनंदन किया। उन्होंने कहा कि जीवन में अच्छे शिक्षक मिलें तो कला और गुणों की पहचान होती है और इंसान का जीवन संवरता है।

उन्होंने उदाहरण दिया - अहमदनगर के एक छोटे से विद्यार्थी ने गीत गाया, उसके शिक्षक ने वीडियो बनाकर प्रसारित किया। यह देखकर संगीतकार अजय-अतुल ने उसे अवसर दिया। यह सब एक अच्छे शिक्षक की वजह से संभव हुआ।

उन्होंने कहा कि आज जब प्रतियोगी परीक्षाओं के परिणाम आते हैं, तो ग्रामीण पृष्ठभूमि के बच्चे बड़े पदों पर पहुंच रहे हैं। इसका मतलब है कि बुद्धिमत्ता सीमित नहीं रही, बल्कि उसका सामर्थ्य हर जगह पहुंच चुका है। इसके लिए बस जीतने की जिद होनी चाहिए, और यह जिद बच्चों में उत्पन्न करने की जिम्मेदारी शिक्षकों की है।

जिनका हुआ सम्मान

गणेश मैड, मारुती पठाडे, संतोष दाणी, सौ. रचना सचिन जाधवर, सुशील उचले, दत्तात्रय क्षीरसागर, वेदमूर्ति अमोलशास्त्री जोशी, गंगाधर देशमुख, सौ. दीप्ती देशमुख, राधा तांबे, धर्मनाथ शिंदे, कल्पना मुंडे, सौ. शीतल काळदाते, प्रा. दिनकर प्रभाकर थोरात, मौलाना अब्दुल हादी, डॉ. अशोक सखाराम घोडके, सुशील दिनेशराव पवार, अंजली खोबरे, प्रा. भालचंद्र देशमुख, दिलीप मुरलीधर कुलकर्णी, सौ. ज्ञानेश्वरी पवन घाडगे, सौ. श्रद्धा पिंगळे (धांडे), सौ. मैथिली मिरगणे, सौ. दक्ष दयाराम वानखेडे, बाळासाहेब कळसाने, अमर रामचंद्र पुरी, प्रा. बिभीषण चाटे, देविदास डोळे, शरद शेजाळ, लक्ष्मीकांत दोडके, गिरीश भावले, सुनील फुलचंद मुंडे - इन सभी को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया।

दैनिक भारत की तामीर अखबार के मालिक, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक काजी मखदूम शफीउद्दीन ने आरएम प्रिंटरर्स, बार्शी रोड, बीड 431122 महाराष्ट्र में मुद्रित कर के दैनिक तामीर, नगर परिषद परिसर, बशीर गंज, बीड, महाराष्ट्र कार्यालय से प्रकाशित किया है। मोबाइल : 9270574444 ईमेल : hinditameer@gmail.com वेबसाइट : www.dailytameer.com

daily Bharat ki tameer newspaper owner printer publisher editor Quazi makhdoom shafiuddin has printed at RM printers barshi road beed 431122 Maharashtra at published at office daily tameer nagar parishad complex Bashir gunj beed Maharashtra. Mobile : 9270574444 Email : hinditameer@gmail.com Website : www.dailytameer.com